

भारत सरकार
कोयला मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 4472

जिसका उत्तर 20 अगस्त, 2025 को दिया जाना है

कोयला परिवहन में प्रथम मील कनेक्टिविटी परियोजनाएं

4472. श्री मनोज तिवारी:

श्री खगेन मुर्मु:

श्रीमती कमलेश जांगड़े:

क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) कोयला परिवहन में प्रथम मील कनेक्टिविटी (एफएमसी) परियोजनाओं के प्रमुख लाभों का ब्यौरा क्या है;

(ख) वर्तमान में कार्यशील/कार्यान्वयनाधीन एफएमसी परियोजनाओं की कुल संख्या कितनी है;

(ग) वित्तीय वर्ष 2029-30 तक एफएमसी मार्ग से कितना प्रतिशत कोयला भेजे जाने का अनुमान है;

(घ) सभी एफएमसी परियोजनाओं को पूरा करने के लिए अनुमानित कुल पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) कितना है; और

(ङ) एफएमसी परियोजनाओं से अंतिम उपभोक्ता तक पहुँचाए जाने वाले कोयले की गुणवत्ता में किस प्रकार सुधार होने की संभावना है?

उत्तर

कोयला एवं खान मंत्री

(श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी (एफएमसी) परियोजनाएँ खानों से पारंपरिक सड़क परिवहन के स्थान पर कन्वेयर बेल्ट, रैपिड लोडिंग सिस्टम और एकीकृत कोयला हैंडलिंग संयंत्रों जैसी मशीनीकृत प्रणालियों का उपयोग करके कोयला निकासी को आधुनिक बनाती हैं। एफएमसी परियोजनाओं के प्रमुख लाभ इस प्रकार हैं:

- ये परियोजनाएँ डीज़ल-आधारित ट्रकों की आवाजाही को समाप्त करके वायु प्रदूषण और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को उल्लेखनीय रूप से कम करती हैं, जबकि इन्कलोज्ड और धूल-नियंत्रित प्रणालियाँ पर्यावरणीय निष्पादन में सुधार करती हैं।
- ये तीव्र, उच्च-क्षमता वाली और पूरी तरह से मशीनीकृत कोयला हैंडलिंग और लोडिंग को सक्षम बनाती हैं, जिससे अवरोधों में कमी आती है और टर्नअराउंड समय में सुधार होता है।
- एफएमसी प्रणालियाँ मैन्युअल हैंडलिंग को न्यूनतम करके और परिवहन के दौरान होने वाले नुकसान को सीमित करके कोयले की गुणवत्ता को बनाए रखती हैं।
- रेल साइडिंग या लोडिंग स्थानों तक सीधे, ऊर्जा-कुशल परिवहन के माध्यम से प्रचालन और परिवहन लागत कम होती है।
- कम सड़क यातायात व्यावसायिक सुरक्षा को बढ़ाता है, दुर्घटना के जोखिम को कम करता है और खनन क्षेत्रों में कार्य स्थितियों में सुधार करता है।

(ख) कोयला मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2030 तक 1092 मि.ट. क्षमता वाली 102 फ़र्स्ट-माइल कनेक्टिविटी परियोजनाएँ निरंतर रूप से स्थापित करने की योजना बनाई है। वर्तमान में, 429.5 एमटीवाई क्षमता वाली 44 एफएमसी परियोजनाएँ प्रचालनरत हैं। एफएमसी परियोजनाओं की समय-सीमा इस प्रकार है:

वित्त वर्ष	परियोजनाओं की सं.	क्षमता (एमटीवाई)
वित्त वर्ष 2025-26 (शेष अवधि)	11	88
वित्त वर्ष 2026-27	12	102
वित्त वर्ष 2027-28	15	201
वित्त वर्ष 2028-29	18	229
वित्त वर्ष 2029-30	02	42
कुल	58	662

(ग) वित्त वर्ष 2029-30 तक, उपर्युक्त एफएमसी परियोजनाओं के पूरा होने पर, एफएमसी के माध्यम से अनुमानित कोयला प्रेषण 1,092 एमटीपीए है - जिसमें सीआईएल से 994 एमटीपीए, एनएलसीआईएल से 63.5 एमटीपीए और एससीसीएल से 34.5 एमटीपीए शामिल हैं।

उपलब्ध अनुमानित उत्पादन आंकड़ों के आधार पर:

कंपनी	एफएमसी के माध्यम से अनुमानित प्रेषण (एमटीपीए)	अनुमानित कुल उत्पादन (एमटीपीए)	एफएमसी के माध्यम से प्रेषण %
सीआईएल	994	1,042.8	95.3%
एनएलसीआईएल	63.5	75.5	84.1%
एससीसीएल	34.5	90	38.3%
कुल	1,092	1,208.3	90.5%

वित्त वर्ष 2029-30 तक, इन तीन पीएसयू से कुल अनुमानित कोयला उत्पादन का लगभग 90% एफएमसी के माध्यम से परिवहन किए जाने की अपेक्षा है।

(घ): एफएमसी परियोजनाओं के लिए परिकल्पित कुल पूंजीगत व्यय लगभग ₹31,367.66 करोड़ है। इस निवेश में मशीनीकृत कोयला हैंडलिंग संयंत्र, तीव्र लोडिंग प्रणालियाँ, बंद कन्वेयर नेटवर्क्स, एकीकृत साइलोज, रेलवे साइडिंग्स और संबंध अवसंरचना शामिल है ताकि निर्बाध रूप से मशीनीकृत कोयला निकासी हो सके।

(ङ.): फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी (एफएमसी) परियोजनाएँ बंद कन्वेयर सिस्टम और साइलो के माध्यम से कोयले की गुणवत्ता में सुधार करती हैं, जिससे धूल, पत्थरों और नमी से होने वाला संदूषण कम होता है। मशीनीकृत लोडिंग से एक समान आकार, नियंत्रित प्रेषण और न्यूनतम मैनुअल हैंडलिंग सुनिश्चित होती है, जिससे क्षरण और ग्रेड मिश्रण को रोका जाता है। परिणामस्वरूप, अंत्य उपयोगकर्ताओं, विशेष रूप से बिजली संयंत्रों और उद्योगों को स्वच्छ और अधिक सतत रूप से कोयला प्राप्त होता है, जिससे दहन दक्षता बढ़ती है और उत्सर्जन कम होता है। एफएमसी परियोजनाएँ विश्वसनीय और संधारणीय कोयला संधारित्र की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक हैं।
